प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 11 अंक : 6 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 अगस्त, 2018 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

सीपी जोशी हुए सक्रिय, कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं से मिलकर लिया फीडबैक

जयपुर। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर

पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपी जोशी सक्रिय हो गए हैं। चार दिन के मेवाड़ दौरे के बाद वह जयपुर के सर्किट हाउस पहुंचे। सुबह से लेकर देर रात तक कार्यकर्ताओं से मिलने का सिलसिला जारी रहा।

इस दौरान उन्होंने पार्टी की स्थिति और आने वाले चुनाव में आगे की रणनीति के लिए नेता-कार्यकर्ताओं से फीडबैक भी लिया। उनसे मिलने वालों में विवादित बयान देने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री लाल चंद कटारिया भी शामिल थे। रिटायर आईएएस अजय सिंह चित्तौड़ा ने भी उनसे मुलाकात की। पिछले सप्ताह ही लाल चंद कटारिया ने कहा था अशोक गहलोत को सीएम चेहरा घोषित किया जाए। ऐसा न करने पर कांग्रेस **(शेष पृष्ठ 2 पर)**

आचार्य समूह द्वारा बूंदी में वृक्षारोपण एवं बैठक सम्पन्न

जयपुर। आचार्य समूह महर्षि बालीनाथ ज्योतिष एवं संस्कार शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान राजस्थान, जयपुर की दिनांक 17.06.2018 को अध्यक्ष महोदय के निवास पर ए-229, महेश नगर, जयपुर में कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें संस्थान के पंजियन की जानकारी दी गई तथा लेटर हैड, रसीद बुक, संस्थान का लोगो आदि कार्यकारिणी से अनुमोदित कराये गये। बैठक में बूंदी से पण्डित गंगाराम वर्मा के साथ पधारे पं. महावीरानन्द ने कार्यकारिणी से बूंदी पधारने का अनुरोध किया। उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए दिनांक 08.07.2018 को बूंदी की यात्रा की गई जिसमें महासचिव-श्री पं. भवानी शंकर गोठवाल, कोषाध्यक्ष-पं. गोपाल लाल बैरवा, उपाध्यक्ष-पं. पी.डी. भारद्वाज, सचिव- पं. लक्ष्मीचन्द, पं. रामनिवास दास, सहायक कोषाध्यक्ष-पं. नानगचन्द, संगठनमंत्री-पं. बलराम, पं. नाथूलाल भीलवाडा, कार्यालय मंत्री- पं. राजेश कुमार झिराना एवं कार्यकारिणी सदस्य पं. सुखलाल आर्य, श्यामानन्द बैरवा, लादूराम चांपानेरी, शंकर लाल मेहरा, गढ़ी लश्करी कोटखावदा, राजेन्द्र प्रसाद चांपानेरी, बूंदी बैठक में उपस्थित हुए। जिनका जिला कांग्रेस महासचिव, समृद्ध शर्मा **(शेष पृष्ठ 2 पर)**

आर.पी. बैरवा स्वैछिक सेवानिवृत हुए

जयपुर। श्री रामेश्वर प्रसाद बैरवा प्रशासनिक अधिकारी सार्वजनिक निर्माण

विभाग जयपुर से एक अगस्त, 2018 को स्वैछिक सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर विभाग की और से बैरवा का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही 2 अगस्त, 2018 को मोती पैलेस, एस.एल. मार्ग, दुर्गापुरा, जयपुर में श्री रामेश्वर प्रसाद बैरवा का परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बंधवाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अतः समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp **7073909291**

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

प्राकृतिक आपदा से बचाव की जानकारियां प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथ सोशल मीडिया पर भी दें: डी.बी. गुप्ता

जयपुर। मुख्य सचिव श्री डी.बी. गुप्ता की अध्यक्षता में सचिवालय में आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से बचाव की जानकारियां प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी देनी चाहिए ताकि प्राकृतिक आपदाओं से बचाव की जानकारी आमजन को सुलभ हो और जन एवं धन की कम से कम हानी हो।

बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारी बारिश की चेतावनी, आकाशीय बिजली गिरने एवं बाढ़ की स्थिति के साथ-साथ सर्दी के मौसम में पाले से अपनी फसलों को सुरक्षित बचाने की जानकारी आपदा विभाग द्वारा समय-समय पर सोशल मीडिया के माध्यम द्वारा भी देनी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अतिवृष्टि या अनावृष्टि से पीड़ित किसान को उसकी क्षतिग्रस्त फसल का सही समय पर उचित मुआवजा दिलाना हमारा पहला प्रयास होना चाहिए।

बैरवा सेवानिवृत

जयपुर। श्री चिरंजी लाल बैरवा वरिष्ठ लिपिक कलेक्ट्रेड जयपुर के पद से 40 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त राज्य सेवा से सेवानिर्वत हुए। इस अवसर पर

विभाग की और से बैरवा का सम्मान समारोह का आयोजन 31 जुलाई, 2018 को किया गया। साथ ही कुम्भा मार्ग, सांगानेर, जयपुर स्थित मंदिर में श्री चिरंजी लाल बैरवा का परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बंधवाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

गोठवाल सेवानिवृत

जयपुर। श्री पाँचूलाल गोठवाल ओ.एस., विद्युत विभाग जयपुर के पद से 40 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त

राज्य सेवा से सेवानिर्वत हुए। इस अवसर पर विभाग की और से बैरवा का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही दिनांक 1 अगस्त, 2018 को जमुना गार्डन, टोंक रोड़, जयपुर में श्री पाँचूराम गोठवाल का परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बंधवाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

दलित संगठनों और सांसदों के दबाव में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली। दलित संगठनों और सांसदों के दबाव में केंद्र सरकार ने एससी-एसटी एक्ट में बिना जांच एफआईआर और गिरफ्तारी का प्रावधान दोबारा जोड़ने का फैसला कर लिया है। गत 20 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इन प्रावधानों पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला निष्प्रभावी करने के लिए बुधवार को कैबिनेट ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचारों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2018 को मंजूरी दी। यह संशोधन 1989 के मूल कानून में होगा। विधेयक को कानून का रूप देने के लिए संसद के मौजूदा मानसून सत्र में ही पेश किया जा सकता है। विधेयक को मंजूरी की जानकारी केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने दी। हालांकि फैसलों की जानकारी देने के लिए बुलाई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संसद सत्र चालू होने की वजह से विधेयक के प्रावधानों का ब्योरा देने से इनकार कर दिया। सरकार ने दलित संगठनों से नौ अगस्त को प्रस्तावित बंद को वापस लेने की अपील की है। उधर, भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी मीणा ने कहा- वे इस मुद्दे को लेकर पीएम व गृहमंत्री से मिले थे।

एक ही पांडाल में 37 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

जयपुर। 130 कार्यकर्ताओं व योगदानकर्ताओं को किया सम्मानित

चाकसू। सर्वधर्म का सामूहिक विवाह न्यू जाग्रति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से सीतला डूंगरी पर तृतीय विवाह में 37 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

संस्था के प्रवक्ता सुरेशकांस्या ने बताया कि बताया वर-वधुओ को घर आपूर्ति के सामान व 50 वर्ग गज का प्लाट कन्या के नाम का पट्टा व विवाह प्रमाण पत्र संस्था की ओर से नवदम्पतियो के आशिर्वाद समारोह के दौरान दिया गया। संस्था के प्रवक्ता सुरेशकांस्या ने बताया कि जोड़े प्रदेश भर के - कोटा, भीलवाड़ा, उदयपुर, टोंक, सवाईमाधोपुर व कई जिलो से विभिन्न धर्मो के लोगो ने ही पांडाल में नवदम्पतियो के परिणय सूत्र में बंधने के अनूठे आयोजन की सराहना की।

समारोह मे संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रामदयाल बड़ोदिया, महामंत्री सियाराम स्वामी ने मंचासीन अथितियों का सम्मान माला व साफा पहनाकर प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया सम्मान। **(शेष पृष्ठ 2 पर)**

सम्पादकीय

बढ़ना खतरनाक संकेत

आज नियंत्रण तापमान में दिनोंदिन हो रही बढ़ोतरी ने अभी तक के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इससे जहां दुनिया भर के वैज्ञानिक चिंतित हैं, वहीं बढ़ते तापमान के आंकड़ों के आधार पर विश्लेषकों का मानना है कि यदि यही हाल रहा तो आने वाले समय में धरती का अधिकांश भूभाग आग के गोले में तब्दील हो सकता है। हालात इतने विषम हैं कि इस साल अकेला भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया भीषण गर्मी की चपेट में है। विडम्बना यह कि आमतौर पर हमेशा ठंडे रहने वाले यूरोप के देश भी गर्मी से बेहाल हैं। पिछले पखवाड़े में तो उत्तरी अमेरिका, कनाडा, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, यूरोप, ब्रिटेन और मध्य पूर्व के कई शहर तापमान के उच्चतम स्तर पर रहे हैं। यही नहीं साइबेरिया और आर्कटिक जैसे सर्द इलाके भी तापमान बढ़ोतरी के मामले में शीर्ष पर रहे हैं। उत्तरी अमेरिका के कैलीफोर्निया में 111 डिग्री फॉरेनहाइट तापमान दर्ज किया गया जो महाद्वीप पर अब तक का सर्वाधिक तापमान था। यह तापमान में बढ़ोतरी का ही नतीजा है कि अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघलने की वजह से समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी का खतरा दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया के तकरीब 84 वैज्ञानिकों के शोध में यह खुलासा हुआ है कि बीते चार सालों में अंटार्कटिका की बर्फ तीन गुणा ज्यादा तेज गति से पिघली है। आंकड़े गवाह हैं कि साल 2012 में जहां औसतन 7600 मीट्रिक टन बर्फ हर साल पिघल रही थी, वहीं अब उसकी रफ्तार 21900 करोड़ मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। बीते 25 सालों में तीन लाख करोड़ मीट्रिक टन से ज्यादा बर्फ पिघल चुकी है। वहीं बीते 25 सालों में समुद्र का जलस्तर भी सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ा है। वैज्ञानिक भी इस तेजी से अंटार्कटिका की बर्फ पिघलने से हैरान हैं। बर्फ पिघलने से समुद्र तटों पर तूफान और बाढ़ की आशंका बढ़ जाती है। समुद्र के जलस्तर बढ़ने से चीन के शंघाई से लेकर अमेरिका के मियामी और न्यूयार्क, जापान के ओसाका और ब्राजील के रियो तक के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। ब्रिटेन की ओपन यूनिवर्सिटी और यूनीवर्सिटी ऑफ शेफील्ड के अध्ययन के अनुसार 2015 में पेरिस में हुए समझौते में तय लक्ष्यों की समीक्षा के निष्कर्षो से पता चलता है कि नियंतण्र तापमान को अगले 100 वर्षो में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं बढ़ने देने के लक्ष्य हासिल कर लेने के बावजूद संवेदनशील देशों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से जूझना पड़ सकता है। इसके अनुसार आर्कटिक और दक्षिण-पूर्व एशियाई मानसून क्षेत्र जैसे विश्व के क्षेत्रों में अपरिवर्तनीय क्षति की संभावना प्रबल है।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए
विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त
आजीवन सदस्यता
2100 रुपए
संरक्षक सदस्यता
5100 रुपए

"डॉ. अम्बेडकर का राष्ट्रीय उत्थान में योगदान"

डॉ. अम्बेडकर जिस समाज से आये थे, वहाँ स्त्रियों को उच्चवर्णीय स्त्रियों जैसे विधवा, बाल विवाह, मुण्डन, दहेज प्रथा, सती प्रथा आदि की पीड़ाऐं नहीं सहनी पड़ती थी। लेकिन उच्चवर्णीय स्त्रियां बहुत अधिक कष्टों में थी। डॉ. अम्बेडकर के गुरु व आदर्श महात्मा ज्योतिवाफुले ने स्त्रियों के लिए सतत संघर्ष किया था। पूना में स्त्री शिक्षा के लिए कई संस्थाऐं खोली थी। स्वयं एक विधवा से विवाह किया था। डॉ. अम्बेडकर ने हिन्दू कोड बिल तैयार करके भारतीय नारी को पुरुषों की दासता से मुक्ति दिलाने का महान कार्य किया। स्त्रियों को पुरुषों की तरह समानता का कानूनी अधिकार दिलाया। पिता की सम्पत्ति में बेटी का अधिकार दिलाया तथा लड़की को भी वारिस बनाकर गोद लिये जाने की वैधानिक व्यवस्था करवायी। किन्तु उनके द्वारा अथक परिश्रम से तैयार किये "हिन्दू कोड बिल" को संसद में पारित होने से रोका गया। इसलिए दु:खी होकर कानून मंत्री के पद से स्तीफा देकर सरकार से अलग हो गये। भारतीय नारी के प्रति उन्होंने जो अपनी भावनाओं का उद्‌गार व्यक्त किया है, वह हमेशा इतिहास में याद रहेगा। उन्होंने अपनी पुस्तक "भारत की नारी का उत्थान और पतन" में अपने विचारों को विस्तारपूर्वक लिखा है। डॉ. अम्बेडकर नारी के सम्मान को किसी भी समाज की प्रगति और विकास के लिए आवश्यक मानते थे।

संविधान निर्माण की प्रक्रिया के दौरान डॉ. अम्बेडकर ने बहुत विरोध सहे। कई विवाद उठे। संविधान निर्माण सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का कहना था कि संविधान लेखन समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अपने स्वभाव से अधिक बुद्धिमता से कार्य किया है।

संविधान लेखन समिति के अध्यक्ष पद पर डॉ. अम्बेडकर का चुनाव करने का निर्णय जो संविधान समिति ने किया, उससे ज्यादा अचूक निर्णय और क्या हो सकता था। डॉ. अम्बेडकर ने अपने चयन की यथार्थता सिद्ध कर दी है।

मसौदा समिति के सदस्य टी.टी. कृष्णामचारी ने कहा था कि, "सभा को शायद यह मालूम हो, कि चुने गये सात सदस्यों में से एक ने त्यागपत्र दे दिया, दूसरे सदस्य की मृत्यु हो गयी, तीसरे सदस्य अमेरिका चले गये, चौथे सदस्य संस्थानिक कार्यों में उलझे रहे, दो सदस्य स्वास्थ्य खराब रहने के कारण दिल्ली के बाहर थे, वो उपस्थित नहीं हो सकते थे। अन्त में संविधान तैयार करने का सारा भार अकेले डॉ. अम्बेडकर पर ही पड़ा। ऐसी दशा में उन्होंने जिस पद्धति से काम पूरा किया उसके लिए नि:सन्देह वे आदर के पात्र हैं। ऐसे संकट के समय उन्होंने रास्ता ढूंढकर ये कार्य पूर्ण किया।

हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे।" काजी सैयद कमरुद्दीन ने डॉ. अम्बेडकर को भावी पीढ़ी के संविधान का महान शिल्पकार बताया। सुप्रसिद्ध राजनेता एस.के. पाटिल ने डॉ. अम्बेडकर के प्रति अपना आदर प्रकट करते हुए कहा था "डॉ. अम्बेडकर के प्रति अपना आदर प्रकट करते हुए कहा था "डॉ. अम्बेडकर एक महान समाजसेवक हैं, वे राष्ट्र निर्माण के शिल्पकार हैं।" महात्मा गांधी से विचार विमर्श और चर्चा के दौरान डॉ. अम्बेडकर ने कहा था "गांधीजी आई हैव नो मदरलैण्ड", मेरे पास मातृभूमि नहीं है। तब गांधीजी ने बहुत गर्व से कहा था "लंदन में आयोजित पहली गोलमेज परिषद का समाचार मुझे मिला है, डॉ. अम्बेडकर "यू आर ए ग्रेट पेट्रियट", आप एक महान देश भक्त हो। डॉ. अम्बेडकर के द्वारा किये गये कार्य मात्र दलितों तक ही सीमित नहीं हैं। भारत के भविष्य को लेकर स्वतंत्रता के प्रति उनकी दृढ़ संकल्प शक्ति उन्हें एक महान राष्ट्रवादी नेता व देशभक्त के रूप में खड़ा करती है।"

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.सी., गौत्र-मीमरोठ, जाटवा, बंशीवाल, सामने लकवाल व मुराड़िया ना हो, मो. 7976069646
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-टाटीवाल, बड़गौती (लाड़ोतिया), जारवाल, सामने मेहर ना हो, मो. 8058613154
* बारां निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.एस., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-मीमरोठ, जारवाल, सिवतिया
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए, पीजीडीसीए पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भूराहाड़िया, गोनावत, सिरोहिया, मो. 7597493946
* जयपुर निवासी तलाकशुदा, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, चरावण्डिया, सामने जाटवा ना हो, मो. 9413488484
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., एम.बी.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-लोदवाल, मरमट, बंशीवाल, मो.-0141-2705878, 8952981915
* जयपुर निवासी , 26 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-बैंक सेवा, गौत्र-बड़गौती, लोदवाल, गुणावत, टाटु, मो. 9829586328
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जोनवाल, कुण्डारा, सुलानिया, मो. 9810068173
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम एससी, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-निजी कार्य, गौत्र-नागरवाल, चरावण्डिया, जीनवाल, गोमलाडू, मो. 9549781463
* जयपुर निवासी, 35 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जीनवाल, सुलानिया, मीमरोठ, मो. 9929369818

वधू चाहिए

* हनुमानगढ़ निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-10वीं पास, प्राईवेट सर्विस, गौत्र-बंशीवाल, चरावण्डिया, नीमरोठ
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-बीए, एमए, निजी ज्वैलरी कार्य, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9829542057
* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, शिक्षा-बीए, एलएलबी, कर सलाहकार, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9782199234
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-दसवीं, बिग बाजार में ज्यूस की दुकान पर सर्विस, गौत्र-लोदवाल, गोठवाल, बीलवाल
* गंगापुरसिटी निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-लोदवाल, माली, बागोरिया, मो.-7073799722, 9530157307
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.सी.ए., वर्तमान में अशोक लीलैण्ड कम्पनी में अकाउंटेंट, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बड़ोदिया, नागरवाल, टाटीवाल, जाटवा, मीमरोठ, मो.-9950391188
* टोंक निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए., एम.बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-आकोदिया, मेहरा, गोमलाडू
* टोंक निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., वर्तमान में स्वयं की वेबसाइट डिजाइन ऑफिस, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोमलाडू, मीमरोठ, कुण्डारा, सामने तलावलिया ना हो
* गोनेर (जयपुर) निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., कम्प्यूटर इंजीनियर, स्वयं का कोचिंग सेन्टर, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बंशीवाल, मीमरोठ, मो.-9887183044
* बीकानेर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी. फार्मेसी, वर्तमान में एम.आर. का कार्य, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-रेवाड़िया, मेहर, माली, मो.-9602211924
* जयपुर निवासी, 24 वर्ष, शिक्षा-बी. कॉम, वर्तमान में वकील के पास मुंशी का कार्य, पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, लालावत, सरकंडी, सामने बैण्डवाल न हो

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

सीपी जोशी हुए सक्रिय, कांग्रेस... (पृष्ठ 1 का शेष)

जीती हुई बाजी भी हार सकती है। अगले ही दिन अशोक गहलोत ने भी खुद को सीएम के तौर पर प्रोजेक्ट किया था।

हालांकि बाद में सफाई देनी पड़ी कि सीएम का चयन आलाकमान के स्तर पर और विधायक दल द्वारा किया जाता है। सियासी हलचल के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपी जोशी का जयपुर में आकर कार्यकर्ताओं से पूरे दिन मुलाकात करना और उनसे फीडबैक लेना बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लाल चंद कटारिया की सीपी जोशी से काफी लंबी बातचीत हुई। गौरतलब है कि जोशी भी पूर्व में बोल चुके है कि राजस्थान में चुनाव राहुल गांधी के नेतृत्व में होंगे, जिसमें सभी नेताओं की भागीदारी होगी।

दोपहर बाद अजय सिंह चित्तौड़ा अपने समर्थकों के साथ सीपी जोशी से मिले। चित्तौड़ा विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में है।

एक ही पांडाल में 37 जोड़े.... (पृष्ठ 1 का शेष)

समारोह में प्रमुख रामनारायण मीणा, डॉ. अंबडेकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी के महामंत्री अनिल गोठवाल, पार्षद रामनिवाश जोनवान, प.स.सदस्य कैलाश नागरवाल, पिंकी बुहाडिया, बैरवा महासभा के प्रदेशाध्यक्ष कजोड़मल बैरवा ,बाबूलाल महुआ, कजोड़ मल बीची, महिला हत्याचार निरोधक संस्था की महामंत्री रेखा शर्मा, सुमन कुमावत, हरिराम नागरवाल, सहित कई गणमान्य नागरिकों ने सिरकत कर सामाजिक कार्यकर्ता, पप्पूसिंह खारवाल, राजूलाल बेनीवाल, सुनील चौधरी, मदन लाल टाटिवाल, पिंटू नागरवाल, कुमारी रानी, कुमारी पूजा, नीरू शर्मा, हंसराज आवड़ा आदि सहित 130 कार्यकताओ को किया सम्मानित ओर नव दाम्पत्य जीवन की कामना करते हुए आषीर्वाद दिया।

सामरोह के दौरान कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया। मंच का संचालन एडवोकेट रामअवतार बैरवा ने किया।

आचार्य समूह द्वारा बूंदी में वृक्षारोपण... (पृष्ठ 1 का शेष)

ब्लॉक अध्यक्ष चेतराम मीना, रूपकला मीना, प्रभारी एस.सी. प्रकोष्ठ हजारी लाल बैरवा, कांग्रेस सेवादल सदस्य श्री गोपाल दाधीच, जिला अध्यक्ष, अखिल भारतीय प्रगतिशील बैरवा महासभा, श्री जंशीलाल बैरवा, उपाध्यक्ष-पं. महावीरानन्द, पं. गंगाराम वर्मा आदि ने आचार्यों का भावभीना स्वागत किया।

तपोभूमि शिववाटिका आश्रम में वृक्षारोपण कर बैठक आयोजित की गई। जिसमें भागचन्द बैरवा मेवदा खुर्द एवं पं. रामप्रसाद कोशिक द्वारा समूह की सदस्यता ग्रहण की गई। बैठक में निम्नांकित निर्णय लिये गये। 1. संस्थान के सदस्य समूह के विकास हेतु त्याग और बलिदान की भावना के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करे। 2. प्रत्येक जिले का दौरा कर सदस्य बनाये जाये। 3. समाज उत्थान के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाये। 4. समाज की धरोहर को सुरक्षित रखने एवं नियमिति करण के कार्य किये जावे। 5. संस्थान की वित्तीय हालत मजबूत करने हेतु आचार्य समूह के सदस्यों द्वारा अपनी आय का (पण्डिताई से प्राप्त आय) का दशांश संस्थान में देवे। इस हेतु सर्व श्री पं. सुखलाल आर्य, पं. गोपाल लाल बैरवा, पं. भवानी शंकर गोठवाल, पं. लक्ष्मीचन्द ने अपनी आय का दशांश संस्थान को देने की घोषणा की। 6. सभा समाप्ति से पूर्व सभाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में शिक्षा विभाग/विश्वविद्यालय से संस्थान का पंजियन कराने व प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण अवधि एवं पाठ्यक्रम तैयार करने का सुझाव देते हुए सभा समापन की घोषणा की।

अखिल भारतीय बैरवा महासभा की बैठक सम्पन्न

जयपुर। अखिल भारतीय बैरवा महासभा (पंजि.) शाखा राजस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिलाध्यक्षों की बैठक किसान भवन, पुलिस मुख्यालय के पीछे, लाल कोठी सब्जी मण्डी, जयपुर में आयोजित की गई।

प्रदेश महामंत्री एडवोकेट मोहनप्रकाश बैरवा ने बताया कि उक्त बैठक में मुख्य अतिथि श्रीमान हरिनारायण बैरवा (पूर्व अतिरिक्त परिवहन कमिश्नर) राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय बैरवा महासभा थें तथा अध्यक्षता, प्रदेषाध्यक्ष श्रीमान कजोडमल बैरवा ने की।

बैठक में सर्व प्रथम अथितियों द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी व महर्षि बालीनाथ जी महाराज के फोटो पर माला पहनाकर बैठक की विधिवत शुरु आत की गई। मुख्यअतिथि माननीय हरिनारायण बैरवा को प्रदेशाध्यक्ष कजोडमल बैरवा, प्रदेश महामंत्री एडवोकेट मोहनप्रकाश बैरवा द्वारा स्वागत सम्मान किया गया।

प्रदेश महामंत्री एडवोकेट मोहनप्रकाश बैरवा द्वारा राजस्थान की प्रगति रिपोर्ट में बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के पदभार ग्रहण करने के बाद महासभा ने बडी ही तेजी से विकास की रफ्तार पकडी तथा

प्रदेषाध्यक्ष माननीय कजोडमल बैरवा ने राजस्थान में मजबूती से नेतृत्व प्रदान किया जिसके फलस्वरुप राजस्थान में 20 हजार के लगभग सदस्य बनाकर एक नया इतिहास बनाया गया, साथ ही राजस्थान में समाज पर हो रहे अत्याचारो की रोकथाम के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व मे केन्द्र/राज्य सरकार व अन्य विभागों मे कार्यवाहियां करके पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने का कार्य किया गया। साथ ही राजस्थान प्रदेश द्वारा 16 जिलो में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुनाव करवाकर जिलाध्यक्ष व उनकी कार्यकारिणी का गठन करवाकर समाज की गतिविधियों को सुचारु रूप से चलवाया जा रहा है।

अखिल भारतीय बैरवा महासभा राजस्थान प्रदेश के लिये बडे ही गौरव की बात है कि महासभा की वर्ष 2013, 2014, 2015, 2016, 2017 व 2018 की ऑडिट रिपोर्ट करवाई गई जिसके लिये प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनारायण चन्द्रवाल को धन्यवाद ज्ञापित किया। महासभा की गतिविधियो को सुचारु रूप से चलाने के लिए राजस्थान प्रदेश में कार्यालय/भवन परिसर के लिए जोन-9 में 2000 वर्गगज भूमि एवं महर्षि बालीनाथ महाराज के नाम से जयपुर शहर के प्रमुख मार्ग का नामकरण करवाये जाने बाबत् राज्य सरकार, जयपुर विकास प्राधिकरण व नगर निगम जयपुर से आवंटन/नामकरण करवाने बाबत् राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यवाही की गई। जिसमें राज्य सरकार द्वारा चाही गई सभी कार्यवाही की पूर्ति महासभा द्वारा कर ली गई है। जल्दी ही महासभा को जयपुर में महर्षि बालीनाथ महाराज के नाम से मार्ग का नामकरण व भूमि आंवटन हो जायेगी। साथ ही बैरवा बाहुल्य 16 जिलो में प्रभारी व सहप्रभारी नियुक्त किये गये।

मुख्य अतिथि हरिनारायण बैरवा, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में बताया कि राजस्थान प्रान्त के शेष रहे सभी जिलो में जिलाध्यक्ष एवं तहसील अध्यक्ष जल्द से जल्द बनाये जावे ताकि संगठन ग्रामीण स्तर तक पहुंच सके। साथ ही राजस्थान में जो अत्याचार हो रहे है उन पर भी पाबन्दी लगाने हेतु अत्याचार निवारण समिति को मजबुत किया जावेगा। राजस्थान में महासभा की सदस्यता अभियान में भी तीव्रगति लाने के लिए सभी पदाधिकारियो को निर्देर्षित किया कि सभी प्रदेश, जिला व तहसील के पदाधिकारी/कार्यकारिणी सदस्य संरक्षक (राशि 5000) या आजीवन (राशि 1100) अनिवार्य रूप से सदस्य बने। समाज में व्याप्त कुरूतियों को जड़ से मिटाने के लिए विचार व्यक्त किये तथा बालिका शिक्षा, व्यवसाय शिक्षा को बढावा देने के लिए, शिक्षित, संगठित और आगे बढने के लिए प्रेरित किया। नवनियुक्त प्रभारियो व सहप्रभारियो को बधाई दी तथा उन्हे पुरी निष्ठा व ईमानदारी से समाज के कार्यो को आगे बढाने के लिए समाज को मजबूत करने के लिए कहा।

प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीनारायण चन्द्रवाल ने महासभा का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया व ऑडिट रिपोर्ट के बारे मे सम्पूर्ण जानकारी विस्तार से दी।

बैठक मे उपस्थित प्रदेश पदाधिकारी/कार्यकारिणी सदस्य व जिलाध्यक्षों/महामिंत्रयों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये उपस्थित सभी जिलाध्यक्षों ने अपने-अपने जिले की प्रगति रिपोर्ट पैश की व राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेशाध्यक्ष को विश्वास दिलाया कि भविश्य में संगठन की मजबुती के लिए तीव्रगति से सदस्यता अभियान चलाकर महासभा के ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाये जायेगें एवं जिलो व तहसीलों में महासभा द्वारा दिये जाने वाले आदेशों व निर्देषों की पालना करवाये जाने का पूर्ण विश्वास दिलाया।

अध्यक्षता कर रहे प्रदेशाध्यक्ष कजोडमल बैरवा ने मुख्य अतिथि व सभी प्रदेश पदाधिकारी/कार्यकारिणी, जिलाध्यक्ष/महामंत्रियो को बैठक मे पधारने पर धन्यवाद ज्ञापित किया तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिनारायण बैरवा से निवेदन किया कि संगठन को निचे के स्तर तक मजबुत बनाने के लिए लिखित में आदेश प्रदान करे तथा मांग करी कि अखिल भारतीय बैरवा महासभा के द्वारा संविधान में संशोधन करवाकर मजबूती प्रदान करे।

राजकीय/केन्द्रीय कार्यालयों में धर्म, पंथ या विचारधारा के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करना कितना उचित ?

भारत एक धर्मप्राण देश है। यहाँ जन्म से लेकर मृत्योपरांत तक लगभग हर कार्य में धर्म को समुचित महत्त्व दिया जाता है। साथ ही यहाँ की संस्कृति ऐसी है कि प्रत्येक धर्म का आदर किया जाता हैं। संविधान में भी सभी धर्मों को समान स्थान और आदर दिया गया है। यह कोई गलत बात नहीं है और ऐसा होना भी चाहिये। धर्म यहाँ कई जातियों की रोजी-रोटी के साधन भी है और भारत की अर्थ व्यवस्था में धर्म का विशेष योगदान है। ज्योंही किसी धर्म का कोई विशेष त्योहार (खासकर हिन्दू धर्म का) आने वाला होता है, बाज़ारों में विशेष तैयारियां शुरु हो जाती हैं, खरीदारी बढ़ जाती है और इस प्रकार अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।

जिस प्रकार खाने में समुचित मात्रा में नमक आवश्यक होता है; अधिक अथवा कम होने पर खाना बेस्वाद लगता है, उसी प्रकार धर्म भी जीवन में आवश्यकता से अधिक हो जाये और हर स्थान पर दख़ल दे, तो यह उचित नही है। भारत-भूमि में सभी धर्मों को समान रूप से फलने-फूलने और पनपने के अवसर हैं। इसी का नाज़ायज फायदा उठाकर कुछ मौकापरस्त लोग ऐसे स्थानों पर भी धर्म को घुसेड़ देते हैं जहाँ इसकी आवश्यकता नहीं होती है। फिर यदि अन्य धर्मावलम्बी भी इसी प्रकार के कार्य करने लगें तो उनको बुरा लगता है और अंततः यह बात उस स्थान के साम्प्रदायिक सद्भाव को खराब करती है।

एक उदाहरण द्वारा इसको समझते हैं। किसी सरकारी संस्थान में पचास कर्मचारी हैं जिनमें 25 हिन्दू, 5 मुस्लिम, 8 अनुसूचित जाति के और 6 अनुसूचित जनजाति के और शेष अन्य हैं। संस्थान की स्टाफ कॉलोनी का निर्माण होता है। कॉलोनी में एक मंदिर भी बना दिया जाता है, जहाँ हिन्दू धर्मावलम्बी पूजा-पाठ कर सकें। अब मुस्लिम धर्मावलम्बी कॉलोनी में मस्जिद बनाने की मांग करते हैं या अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति बाबा साहेब की मूर्ति लगाने की मांग करते हैं तो यह बात हिन्दुओं को और प्रशासन को अखरती है और यही बात संस्थान के समरसता के माहौल को खराब करती है। अगर हिन्दू अपने आराध्य देव का मंदिर बनाने का अधिकार रखते हैं तो मुस्लिमों और अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को मस्जिद बनवाने अथवा मूर्ति लगाने से रोकना अथवा इस पर आपत्ति करना इनके अधिकारों का हनन नहीं है? फिर सरकारी खर्चे पर सभी धार्मिक स्थल बनाये जायें, तो सरकार को नुकसान नहीं होगा? और केवल बना देना ही काफी नहीं होता, सतत् देखभाल और समय-समय पर मरम्मत की भी आवश्यकता होती है। आजकल जहाँ कहीं भी कॉलोनियां बनती हैं, चाहे वे नगर विकास न्यास की हों, हाउसिंग बोर्ड की हो, नगर पालिका की हों या फिर निजी, पार्कों में मंदिर के लिये स्थान छोड़ा जाना फैशन सा हो गया है। यह पूर्णतः सरकारी पैसों से ही बनता है जो एक प्रकार से भारतीय संविधान के धार्मिक समानता के अधिकार का उल्लंघन है। केवल एक ही धर्म का धार्मिक स्थान क्यों बनना चाहिये, सभी का क्यों नही?

धार्मिक स्थल बनाना अपराध नहीं है और न ही अनुचित। अपराध और अनुचित तब हैं जब ये किसी की निजी जमीन पर बिना उसकी अनुमति के अथवा उचित रूप से उसे बिना उसका मूल्य चुकाये बनाये जाते हैं। इसी प्रकार सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करके मंदिर, मस्जिद, मज़ार, चर्च, गुरुद्वारा, बालाजी, भैंरूजी, रामदेव जी, गोगाजी, पाबूजी, तेजाजी आदि का स्थान बनाना अनुचित है। दुर्भाग्य से भारत के अधिकतर धार्मिक स्थल इसी प्रकार से बने हुए हैं। इनमें भी कई तो सड़क के बीचोंबीच इस प्रकार बने हुए हैं कि यातायात में भारी परेशानी होती है, आये दिन दुर्घटनायें होती रहती हैं और लोग मरते रहते हैं लेकिन धर्म पर अंगुली कौन उठाये, यह सोचकर मन-मसोसकर रह जाते हैं, दुर्घटनाओं का क्रम जारी रहता है। इनमें रहने वाला 'भगवान-खुदा' कैसे भक्तों की पूजा-इबादत स्वीकार करता होगा, वो ही जाने। अतः बेहतर यही है कि किसी भी प्रकार के अतिक्रमण की जमीन पर कोई धार्मिक स्थल न हो। इसके लिये शासन-प्रशासन को जो भी कदम उठाने हो, उठाये। यदि किसी व्यक्ति अथवा समुदाय को यह लगे कि इस प्रकार का स्थान बनाना आवश्यक है तो वह जमीन को खरीदे और अपने मेहनत की कमाई से उस पर चाहे जो बनाये। यह भी देखा गया है कि जिस किसी सरकारी संस्था में किसी एक धर्म के कर्मचारियों का बाहुल्य होता है तो वे संस्थान में ही धार्मिक गतिविधियां शुरू कर देते हैं। कभी हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है तो कभी सुन्दरकाण्ड का। कुछ संस्थानों में हर शुक्रवार को दोपहर में नमाज़ अदा की जाती है तो किसी संस्था में हवन हो रहा है। हर शुक्रवार को कई मुस्लिम कर्मचारी नमाज़ अदा करने के लिये डेढ़ घण्टे का अवकाश करते हैं तो हिन्दू कर्मचारी भी जरूरत के हिसाब से कार्यालय समय में कभी सत्संग में तो कभी कथा में नज़र आ जाते हैं। कई संस्थानों में तो सरकारी खर्चे पर बनाया हुआ मंदिर होता है जिसकी देखभाल और पूजा-अर्चना के लिये या तो कर्मचारी हर माह धनराशि देते हैं या सरकारी राशि में से किसी तरह प्रबन्ध कर लिया जाता है। मैं जिस संस्थान में हूँ वहाँ कॉलोनी परिसर में मंदिर बनाया हुआ है जिसकी देखभाल के लिये कर्मचारियों के वेतन से प्रतिमाह स्वेच्छानुसार धनराशि कटती है जिससे मंदिर का कार्य व पुजारी के वेतन की व्यवस्था होती है। कुछ साल पहले इसी मंदिर के पुजारी ने धन के लालच में और अपने शौक (शराब, जुआ, और अय्याशियां) पूरे करने के लिये पूर्व प्राचार्य जी की धर्मपत्नि की हत्या कर दी थी। वर्तमान में चहुँओर भाजपा का राज है तो यह और इसके सहयोगी संगठन अपने बहुप्रतीक्षित एजेण्डे को लागू तो करेंगे ही। इसी के तहत कई पुस्तकों में इतिहास ही बदल दिया गया है। कुछ अन्य पुस्तकों में अपने मन मुताबिक त्योहार, नैतिक जानकारी और पाठ्यक्रम डाला गया है। भविष्य में होगा यह कि कोई विद्यार्थी बुकसेलर से कांग्रेस के समय की छपी इतिहास की किताब या भाजपा के समय छपी इतिहास की किताब मांगा करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में मूल्यांकन भी यह देखकर किया जायेगा कि राज किसका है? भाजपा का राज तो हल्दीघाटी के युद्ध में राणा प्रताप को विजेता बताया जायेगा और कॉंग्रेस का राज तो अकबर महान को। यही हो रहा है आजकल। दिनांक 5 जुलाई को एक सरकारी कॉलेज में अमृता पर्यावरण नागरिक संस्थान की ओर से पर्यावरण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संस्थान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ही एक ईकाई है जिसकी स्थापना 3 जनवरी 2016 को की गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कैसा संगठन है, सब कोई जागरुक नागरिक जानते हैं। इस कार्यक्रम का सारा खर्चा तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता संवर्धन कार्यक्रम द्वारा वहन किया गया। वर्तमान में सरकार भी इसी संगठन की है अतः ये जैसा चाहेंगे वैसा ही होगा। ये देश का इतिहास बदलने की भी कवायद कर रहे हैं क्योंकि इनका दृढ़ विश्वास है कि किसी भी देश का इतिहास बदल दो तो उसकी सभ्यता और संस्कृति अपने-आप बदल जाती है। अब देश के नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वे इतिहास की पुस्तकों को संभालकर रखें, पता नहीं कब कोई फरमान जारी हो जाये कि 2013 के पहले की छपी इतिहास की सारी पुस्तके अमान्य हैं, लिहाजा पुस्तकालयों से हटाई जाती हैं।

यह मेरा निजी मत है कि सरकारी संस्थानों की गरिमा बनाकर रखी जानी चाहिये और धर्म, सम्प्रदाय, पंथ, मत आदि तत्वों से इनको दूर रखा जाना चाहिये। यही संविधान सम्मत भी है। इसी संदर्भ में राजस्थान हाईकोर्ट का यह निर्णय स्वागत योग्य है कि पार्क बच्चों के खेलने के लिये है, मंदिर या योग के नाम पर निर्माण को अतिक्रमण माना जायेगा। पार्क केवल हरियाली, बच्चों के मस्ती करने, बुजुर्गों के मनोरंजन और लोगों के घूमने के लिये है, योग को जगह चाहिये तो जेडीए उसके लिये अलग योजना बनाये (राज. पत्रिका दि.08.07.2018)। संस्थानों को पूजाघरों में तब्दील होने से बचाना चाहिये और जो भी पूजाघर हों वे वैध जमीन पर भक्तों की खुद की कमाई से बने होने चाहिये। साथ ही सरकारी संस्थानों में किसी भी धर्म से सम्बन्धित कोई कार्यक्रम सरकारी अथवा निजी खर्चे पर नहीं होना चाहिये।

-श्याम सुन्दर बैरवा
सहायक प्रोफेसर (वस्त्र रसायन)
माणिक्यलाल वर्मा टेक्सटाईल्ज एवं इंजीनियरिंग कॉलेज, भीलवाड़ा
पता-सी-323, आजाद नगर,
भीलवाड़ा.राजस्थान 311001

हैल्थ टिप्स

- आधा कप अनार के रस में एक छोटी इलायची के पिसे दाने और चौथाई चम्मच पिसी सोंठ मिलाकर पीने से मूत्र अवरोध दूर होता है।
- अनार का छिलवा मुँह में रखकर चूसने से खांसी दूर होती है तथा मुंह के छाले मिट जाते हैं।
- सिर पर नींबू का रस और सरसों का तेल समभाग में मिलकार लगाने से और बाद में दही रगडकर धोने से कुछ ही दिनों में सिर में फुंसिया एवं खुजली का दारुणक रोग मिटता है।
- बाल तोड़ के स्थान पर मेहन्दी का लेप करने से आराम मिलता है।
- प्रातः भूखे पेट तीन चार अखरोट की गिरी खाने से घुटनों का दर्द दूर होता है।
- हैजे में प्याज का रस गुनगुना करके पिलाना लाभप्रद रहता है।
- नींबु का रस अथवा आम की गुठली के चूर्ण को पानी में मिलाकर उसे शरीर पर लगाकर स्नान करने से घमोरिया मिटती हैं।

गोनेर में श्री नारायण मानव सेवा समिति द्वारा सामूहिक गोठ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर। गोनेर में श्री नारायण मानव सेवा समिति की ओर से सामूहिक गोठ एवं कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन के दौरान ही वृक्षारोपण किया गया। संस्था के संरक्षक के के टाटीवाल, एस बी आई के चीफ मेनेजर अरविंद कुमार, न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रामदयाल बड़ोदिया , महामंत्री सियाराम स्वामी, राजू लाल बैनीवाल,धर्मराज भगड़वा, बालकिशन आकोदिया, नाथूराम सरपंच, राजेंद्र देव, पवन कुमार चाकसू, महावीर फौजी राकेश माहेश्वरी पूरण मल बैरवा, सहित ने विचार व्यक्त किए ।संस्था के संस्थापक अध्यक्ष चंद्र मोहन मीमरोट, प्रवक्ता सुरेश काँस्या फागी सहित ने अतिथियों का माला पहनाकर सम्मान किया।

प्रवक्ता काँस्या ने बताया की आगामी दिनों में निशुल्क चिकित्सा शिविर, वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार विमर्श निर्णय लिया गया ।अतिथियों ने संस्था के द्वारा निर्धन असहाय, जरुरत के लिये जनकल्याण के लिए गए कार्यक्रमों की सराहना गई।

व्यायाम शुरू करने से पहले जरूर करें ये वार्मअप एक्सरसाइज

आपने अक्सर देखा होगा कि कुछ लोग जब जिम में एक्सरसाइज करने जाते हैं तो सीधे ही ट्रेडमिल पर चढ़ जाते हैं। लेकिन व्यायाम का यह तरीका गलत है। इसके कारण कभी-कभी आपकी मांसपेशियों में खिंचाव आ जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप एक्सरसाइज शुरू करने से पहले बॉडी को उसके लिए तैयार करें। इसके लिए थोड़ा वार्मअप करना बेहद आवश्यक है। यह वार्मअप एक्सरसाइज आपकी मांसपेशियों में रक्त संचार बढ़ाकर आपकी बॉडी को हल्का गर्म करती है, जिसके कारण आप न सिर्फ बेहतर तरीके से व्यायाम कर पाते हैं, बल्कि इससे आपके चोटिल होने की संभावना भी काफी हद तक कम हो जाती है। तो चलिए जानते हैं इन वार्मअप एक्सरसाइज के बारे में-

रस्सी कूदना

बॉडी को गर्म करने के लिए रस्सी कूदना एक अच्छा विचार है। इसे आप बतौर वार्मअप एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज को करने के लिए आप एक बात का खास ख्याल रखें कि शुरूआत में आप धीरे-धीरे ही रस्सी कूदें। आप चाहें तो शुरू में महज एक ही पैर का इस्तेमाल करें और बाद में आप दोनों पैरों का प्रयोग कर सकते हैं।

स्पीड वॉक

स्पीड वॉक को भी एक अच्छी वार्मअप एक्सरसाइज माना जाता है। चहलकदमी करते समय आप शुरूआत छोटे कदमों से ही करें। कुछ देर बाद आप अपनी रफ्तार बढ़ाएं। स्पीड वॉक के दौरान कुछ लोग धीरे-धीरे रनिंग करना शुरू कर देते हैं लेकिन आप ध्यान रखें कि आपको स्पीड में वॉक ही करना है।

फुल बॉडी स्ट्रेच

यह एक्सरसाइज भी व्यायाम के शुरूआत में की जा सकती है। फुल बॉडी स्ट्रेच से आपकी बॉडी की हर मसल्स में लचीलापन आता है और आपकी बॉडी एक्सरसाइज के लिए तैयार हो जाती है। फुल बॉडी स्ट्रेच के लिए आप सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। इस दौरान अपनी कमर व गर्दन को सीधा रखें। अब आप अपने हाथ को सिर के ऊपर रखें और सांस लेते हुए धीरे-धीरे पूरे शरीर को ऊपर की ओर खींचे। जब आप ऐसा कर रहे होंगे तो आपको अपने पैर की उंगलियों से लेकर हाथों की उंगलियों तक खिंचाव महसूस होगा। अब आप कुछ क्षण इसी अवस्था में रहें। अब आप सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे पहले की ही तरह सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब आप चार से पांच बार ऐसा करें।

नीअप

नीअप करने से आपके पैरों को काफी लाभ मिलता है। एक्सरसाइज की शुरूआत में आप इसका अभ्यास करें। इसके लिए आप सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और अपनी पीछ को सीधा रखें। अब आप बारी-बारी अपने एक-एक पैर को घुटने से मोड़कर ऊपर उठाएं और उसके विपरीत तरफ वाले हाथ से उसे छुएं और वापस पैर नीचे ले जाएं। वार्मअप के लिए आप करीबन दोनों पैरों से 20-20 के दो सेट का अभ्यास करें।

युवाओं की परस्पर भागीदारी से ही लोकतंत्र को मिलेगी मजबूती: अश्विनी भगत

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री अश्विनी भगत ने कहा कि लोकतंत्र को सही मायने में मजबूती तभी मिलेगी जब देश का हर युवा अपने मत की कीमत पहचानेगा और निर्वाचन प्रक्रिया में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी दिखाएगा। उन्होंने आव्हान किया कि जो छात्र-छात्राएं 1 जनवरी को 18 वर्ष पूरी कर चुके हैं वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना बिल्कुल नहीं भूलें। श्री भगत जयपुर के एसजे पब्लिक स्कूल में आयोजित इंट्रेक्टिव स्कूल एंगेजमेंट (परस्पर संवादात्मक स्कूली वचनबद्धता) कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवा ही देश की असली ताकत हैं। यदि ये मतदान और निर्वाचन के प्रति और अधिक सजग हो जाएंगे तो देश का लोकतंत्र दिन ब दिन मजबूत होता चला जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई कि 18 वर्ष पूरी करते ही वे न केवल अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाएंगे बल्कि चुनाव के समय अपने मताधिकार का इस्तेमाल भी करेंगे। छात्रों ने भी उत्साह के साथ उन्हें पूर्ण रूप से ऐसा ही करने के लिए भी आश्वस्त किया। श्री भगत ने कहा कि इंट्रेक्टिव स्कूल एंगेजमेंट का मकसद 14 से 17 आयु वर्ग के विद्यालय के छात्र-छात्राओं को निर्वाचन तंत्र से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि आज दो हजार से ज्यादा सैकंडरी और हायर सैकंडरी स्कूलों में ऐसे कार्यक्रम हुए हैं, जिनके परिणाम आने वाले दिनों में नवीन मतदाताओं के रूप में प्रदेश को मिलेंगे। गौरतलब है कि युवा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्कूलों में चलाई इस मुहिम की शुरुआत 2017 में की गई थी, जिसके बेहद सकारात्मक परिणाम मिले थे। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिद्धार्थ महाजन ने छात्र-छात्राओं से मतदान, ईवीएम, राष्ट्रीय मतदाता दिवस, वीवीपैट, एपिक कार्ड, बीएलओ सहित कई विषयों पर दिलचस्प सवाल-जवाब भी किए। छात्रों ने भी पूरे उत्साह के साथ सवालों के जवाब दिए। इस दौरान निर्वाचन से जुड़ी स्लोगन, रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता भी रखी गई और विजेताओं को सम्मानित भी किया गयास मुख्य निर्वाचन अधिकारी के विशेष निर्देश पर सभी छात्र-छात्राओं को ईवीएम और वीवीपैट मशीनों पर मोक पोल भी करवाया गया। उल्लेखनीय है कि जनवरी और जुलाई में आयोजित होने वाले आईएसई के अन्तर्गत विद्यालयों का चयन इस प्रकार से किया गया है कि द्वितीय चरण में विद्यालय विशेष की पुनरावृति नहीं हो एवं आगामी 3-4 वर्षों में राज्य के समस्त विद्यालय आईएसई से लाभान्वित हो सके। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य की सभी स्कूलों में 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को चुनाव और मतदान के प्रति जानकारी देकर उन्हें जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर ने स्कूली विद्यार्थियों के समक्ष ईवीएम व वीवीपैट का प्रदर्शन किया और इन के माध्यम से संपादित की जाने वाली मतदान की प्रक्रिया के संबंध में उन्हें जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात स्कूली विद्यार्थियों को मोक पोल के माध्यम से मतदान करने की प्रक्रिया से स्वयं परिचित होने का अवसर प्रदान किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री असलम शेर खान, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी श्रीमती सीमा शर्मा, राधिका व स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती सरोज सिंह व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सुबह सिर्फ एक कप लौंग की चाय से मिलेंगे कई फायदे

लौंग की चाय एक ऐसी चाय है जिसे सिर्फ शौक के लिए नहीं लिया जा सक बल्कि इसका सेवन करने से आपके शरीर को कई प्रकार से लाभ भी मिलता है। खासकर सर्दियों में इसका सेवन बहुत ही उपयोगी साबित हो सकता है। जानें लौंग की चाय के क्या हैं फायदे-

1 त्वचा संबंधी समस्याओं में फायदेमंद- आपने शायद इससे पहले कभी ऐसा न सुना होगा लेकिन यह सच है। लौंग की चाय पीने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। इससे चेहरे पर होने वाले पिंपल और अन्य समस्याओं से राहत मिलती है। किसी इन्फेक्यशन से अगर स्किन संबंधी कोई समस्या है तो भी लौंग की चाय आराम पहुंचाएगी।

2 सर्दी जुकाम में राहत- इस बदलते मौसम में अगर आपको सर्दी जुकाम सता रहा है तो भी आपके लिए लौंग की चाय एक औषधि का काम कर सकती है। क्योंकि लौंग की तासीर गर्म होती है और इसकी चाय पीने से सर्दी नहीं होगीप। यदि सर्दी लग गई है तो भी लौंग चाय पीकर राहत पा सकते हैं।

3 बुखार में दे आराम- अगर आपको बुखार शुरू ही हुआ है तो फौरन लौंग की चाय बनाकर धीरे धीरे पिएं। लौंग में मौजूद औषधीय तत्व बुखार से राहत दिलाने का काम करते हैं। प्राकृतिक तरीके से बुखार में राहत पाने के लिए लौंग की चाय काफी उपयोगी है।

4- दर्द में राहत- सर्दियां शुरू होते ही कुछ लोगों को घुटने की अकड़न और दर्द की समस्या का सामना करना पड़ता है। खासकर बुजुर्ग लोगों को उठने बैठने में दिक्कत होती है। ऐसे में आपके लिए लौंग की चाय काफी फायदेमंद हो सकती है। मसल्स का दर्द भी लौंग की चाय से ठीक होता है। लौंग के पानी से आप सेंकाई भी कर सकते हैं।

5 दांतों के लिए फायदेमंद- लौंग की गुनगुनी चाय दांतों के काफी राहत देने वाली है। कई बार तो लोगों को इसके लिए पेन किलर तक का सहारा लेना पड़ता है। लेकिन लौंग की चाय एक ऐसी औषधि है जो तुरंत दांत दर्द में आराम दिलाता है। पेन किलर छोड़कर एक बार लौंग की चाय भ आजमा सकते हैं।

6 पेट की समस्या में लाभकारी- किसी को अगर एसिडिटी की समस्या है, पेट में दर्द व जलन होती है तो आप लौंग की चाय ले सकते हैं। लौंग की चाय से हाजमा दुरुस्त होता है और पेट का दर्द भी ठीक होता है।

बैरवा छात्रावास जयपुर में ध्वजारोहण

जयपुर। बैरवा शिक्षा प्रचार एवं सहायतार्थ समिति जयपुर द्वारा स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर बैरवा छात्रावास प्रांगण (सेन्ट्रल स्पाईन श्रीकिशनपुरा, जगतपुरा, जयपुर) में दिनांक 15 अगस्त, 2018 को प्रात: 11.00 बजे ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। संस्था के महामंत्री हरिराम नागरवाल ने समाजबन्धुओं को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया।

परिश्रम सबसे बड़ा सुख

एक राज्य के राजा को किसी भी चीज की कमी नहीं थी। हर सुख सुविधाएं उनके पास थी, लेकिन अचानक उनका स्वास्थ्य प्रभावित रहने लगा। कई वैद्य ने उपचार किया, लेकिन राजा को स्वास्थ्य लाभ नहीं हुआ। कुछ समय बाद राजा की बीमारी बढ़ती गई और पूरे राज्य में राजा के अस्वस्थ होने की बात फैल गई। एक दिन राजा के महल में एक वृद्ध पहुंचा। उसने राजा के सेवकों से कहा कि वह राजा की बीमारी का उपचार कर सकता है। सेवक उसे लेकर राजा के पास पहुंचे तो वृद्ध ने कहा कि महाराज मुझे अपना उपचार करने की आज्ञा दें। राजा से अनुमति पाकर वृद्ध बोला, महाराज आपको किसी सुखी व्यक्ति का कुर्ता धारण करना है और आप स्वस्थ हो जाएंगे। राजा ने सोचा, जहां इतना इलाज कराया है तो इस वृद्ध की बात भी मान ली जाए।

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com